

Code No. 5761

Roll No.

SET : A

D. El. Ed. 2nd Year Exam., Feb./March – 2023

Pedagogy of Sanskrit Language

संस्कृत भाषा का शिक्षाशास्त्र

(Course Code : DE-211)

(Only for Re-appear Candidates)

[Evening Session]

Time : 2 Hours]

[Max. Marks : 35

समय : 2 घण्टे]

[अधिकतम अंक : 35

सामान्य निर्देश :—

- (i) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 7 तथा प्रश्न 6 हैं।
- (ii) प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिये गये कोड नम्बर तथा सेट को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख्य-पृष्ठ पर लिखें।
- (iii) कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
- (iv) उत्तर-पुस्तिका के बीच में खाली पन्ना/पन्ने न छोड़ें।
- (v) उत्तर-पुस्तिका के अतिरिक्त कोई अन्य शीट नहीं मिलेगी। अतः आवश्यकतानुसार ही लिखें और लिखा उत्तर न काटें।
- (vi) परीक्षार्थी अपना रोल नं० प्रश्न-पत्र पर अवश्य लिखें। रोल नं० के अतिरिक्त प्रश्न-पत्र पर अन्य कुछ भी न लिखें और वैकल्पिक प्रश्नों के उत्तरों पर किसी प्रकार का निशान न लगाएँ।
- (vii) कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व सुनिश्चित कर लें कि प्रश्न-पत्र पूर्ण व सही है, परीक्षा के उपरान्त इस सम्बन्ध में कोई दावा स्वीकार नहीं किया जायेगा।

निर्देशाः —

- (क) सर्वे प्रश्नाः अनिवार्याः सन्ति।
- (ख) लेखः सुस्पष्टः सुवाच्यश्च भवेत्।
- (ग) प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतभाषायाम् देयानि।
- (घ) प्रश्नसंख्या प्रश्नपत्रानुसारम् अवश्यमेव लेखनीया।

5761/(Set : A)

P. T. O.

भाग - 'क'

1. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु **द्वयोः** प्रश्नयोः व्याख्या कार्या —

2 × 3 = 6

(क) विभिन्नशिक्षायोगेषु संस्कृतविषयेकृतां चर्चाम् उद्दिश्य टिप्पणीं लिखत।

(ख) अनुवादशिक्षणेन कोऽभिप्रायः ? अनुवादशिक्षणविधीनां वर्णनं कुरुत।

(ग) गद्यशिक्षणस्य विभिन्नानां विधीनां विवेचनं कुरुत।

2. अधोलिखितयोः प्रश्नयोः **एकः** प्रश्नः समाधेयः —

1 × 3 = 3

(क) संस्कृतव्याकरणपरम्परायाः उल्लेखं कुर्वन् तस्य महत्त्वं लिखत।

(ख) कारकेण कोऽभिप्रायः ? सोदाहरणं व्याख्या कार्या।

3. अधोलिखितयोः प्रश्नयोः **एकः** प्रश्नः समाधेयः —

1 × 3 = 3

(क) प्राचीनमूल्यांकन विधीनां वर्णनं कुर्वन् तेषां गुणदोषान् वर्णयत।

(ख) भाषामूल्यांकनस्य विभिन्नानां विधीनां वर्णनं कुरुत।

4. अधोलिखितयोः प्रश्नयोः **एकः** प्रश्नः समाधेयः —

1 × 3 = 3

(क) पाठयोजनायाः विभिन्नानां प्रकाराणां वर्णनं कुरुत।

(ख) सूक्ष्मशिक्षणस्य व्याख्या कार्या।

5. अधोलिखितयोः प्रश्नयोः **एकः** प्रश्नः समाधेयः —

1 × 5 = 5

(क) अलंकारेण कोऽभिप्रायः ? सोदाहरणं भेदानां व्याख्या कार्या।

(ख) संस्कृतव्याकरणशिक्षणं किमर्थम् आवश्यकं वर्तते ? निगमनविधिना पाठयन् गुणसन्धिं पाठनाय पाठयोजनां सज्जीकुरुत।

भाग - 'ख'

6. अधोलिखितानां वस्तुनिष्ठप्रश्नानाम् उत्तराणि देयानि -

15 × 1 = 15

(क) छन्दोसहितं भवति -

(i) कादम्बरी

(ii) चम्पू

(iii) पद्यम्

(iv) गद्यम्

(ख) नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि, नैनं दहति पावकः।

न चैनं क्लेदयन्त्यापः न शोषयति मारुतः॥

श्लोकोऽयं कस्मात् ग्रन्थात् संकलितः ?

(i) रामायणतः

(ii) कादम्बरीतः

(iii) दूतवाक्यात्

(iv) गीतायाः

(ग) “तददोषौ शब्दार्थौ सगुणावनलंकृती पुनः क्वापि” कस्य कवेः काव्यलक्षणमिदम् ?

(i) भासस्य

(ii) लोलटभट्टस्य

(iii) ध्वनिकारस्य

(iv) मम्मटस्य

(घ) पूर्वपदप्रधानः कस्मिन् समासे भवति ?

(i) अव्ययीभाव समासे

(ii) कर्मधारय समासे

(iii) द्वन्द्वसमासे

(iv) तत्पुरुष समासे

(ङ) धातोः पूर्वं भवति -

(i) प्रत्ययः

(ii) आगमः

(iii) उपसर्गः

(iv) आदेशः

(च) 'अष्टाध्यायी' इत्यस्य ग्रन्थस्य प्रणेतास्ति —

(i) महर्षिः वाल्मीकिः

(ii) महर्षिः कात्यायनः

(iii) महर्षिः पाणिनिः

(iv) महर्षिः पतञ्जलिः

(छ) '..... व्याकरणं स्मृतम्' (रिक्तस्थानं पूरयत)।

(i) मुखम्

(ii) नासिका

(iii) हस्तः

(iv) कर्णः

(ज) व्याकरणशिक्षणस्य श्रेष्ठविधिः अस्ति —

(i) सहयोगविधिः

(ii) सूत्रविधिः

(iii) प्रयोगविधिः

(iv) आगमनविधिः

(झ) क्रियान्वयित्वं ? (रिक्तस्थानं पूरयत)।

(i) समासः

(ii) छन्दः

(iii) अलंकारः

(iv) कारकत्वम्

(अ) प्राचीनमूल्यांकनविधौ मौखिकपरीक्षा आसीत् —

(i) शलाकापरीक्षा

(ii) शास्त्रार्थः

(iii) भाषणम्

(iv) सर्वाः

(ट) भाषामूल्यांकनविधौ अस्ति/सन्ति —

(i) रेटिंगमापकम्

(ii) रुब्रिकः

(iii) ऐनक्डोटलरिकार्ड

(iv) सर्वे

(ठ) शैक्षिकमूल्यांकनविधौ सम्मिलितः **नास्ति** —

(i) प्रबन्धात्मक परीक्षा

(ii) वस्तुगत परीक्षा

(iii) मौखिक परीक्षा

(iv) शास्त्रार्थः

(ड) आदर्शप्रश्नपत्रस्य गुणेषु अस्ति/सन्ति —

(i) व्यावहारिकता

(ii) रोचकता

(iii) सम्पूर्णपाठ्यक्रमः

(iv) सर्वे

(ढ) पाठयोजनायाः प्रकारः अस्ति/सन्ति/स्तः —

(i) एकः

(ii) द्वौ

(iii) त्रयः

(iv) चत्वारः

(ण) अन्वेषणपूर्णप्रश्नकौशलस्य घटकः अस्ति/सन्ति —

(i) अनुबोधनम्

(ii) विस्तृतसूचनाप्राप्ति

(iii) पुनःनिर्देशनम्

(iv) सर्वे

Code No. 5761

Roll No.

SET : B

D. El. Ed. 2nd Year Exam., Feb./March – 2023

Pedagogy of Sanskrit Language

संस्कृत भाषा का शिक्षाशास्त्र

(Course Code : DE-211)

(Only for Re-appear Candidates)

[Evening Session]

Time : 2 Hours]

[Max. Marks : 35

समय : 2 घण्टे]

[अधिकतम अंक : 35

सामान्य निर्देश :—

- (i) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 7 तथा प्रश्न 6 हैं।
- (ii) प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिये गये कोड नम्बर तथा सेट को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख्य-पृष्ठ पर लिखें।
- (iii) कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
- (iv) उत्तर-पुस्तिका के बीच में खाली पन्ना/पन्ने न छोड़ें।
- (v) उत्तर-पुस्तिका के अतिरिक्त कोई अन्य शीट नहीं मिलेगी। अतः आवश्यकतानुसार ही लिखें और लिखा उत्तर न काटें।
- (vi) परीक्षार्थी अपना रोल नं० प्रश्न-पत्र पर अवश्य लिखें। रोल नं० के अतिरिक्त प्रश्न-पत्र पर अन्य कुछ भी न लिखें और वैकल्पिक प्रश्नों के उत्तरों पर किसी प्रकार का निशान न लगाएँ।
- (vii) कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व सुनिश्चित कर लें कि प्रश्न-पत्र पूर्ण व सही है, परीक्षा के उपरान्त इस सम्बन्ध में कोई दावा स्वीकार नहीं किया जायेगा।

निर्देशाः —

- (क) सर्वे प्रश्नाः अनिवार्याः सन्ति।
- (ख) लेखः सुस्पष्टः सुवाच्यश्च भवेत्।
- (ग) प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतभाषायाम् देयानि।
- (घ) प्रश्नसंख्या प्रश्नपत्रानुसारम् अवश्यमेव लेखनीया।

5761/(Set : B)

P. T. O.

भाग - 'क'

1. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु **द्वयोः** प्रश्नयोः व्याख्या कार्या — 2 × 3 = 6
- (क) माध्यमिकक्षासु संस्कृतभाषायाः तथा च तस्याः साहित्यशिक्षणस्य अनिवार्यतायाः वर्तमानसन्दर्भे महत्त्वं प्रतिपादयत।
- (ख) पद्यशिक्षणस्य विभिन्नां सोपानानां वर्णनं कुरुत।
- (ग) संस्कृतगद्यरचनायाः महत्त्वं लिखन् विभिन्नेषु स्तरेषु गद्यशिक्षणस्य उद्देश्यं निर्धारयत।
2. अधोलिखितयोः प्रश्नयोः **एकः** प्रश्नः समाधेयः — 1 × 3 = 3
- (क) अलंकारेण कोऽभिप्रायः ? विभिन्नानाम् अलंकाराणां सोदाहरणं व्याख्या कार्या।
- (ख) छन्दसा कोऽभिप्रायः ? 'वसन्ततिलका' इत्यस्य छन्दसः सोदाहरणं व्याख्या कार्या।
3. अधोलिखितयोः प्रश्नयोः **एकः** प्रश्नः समाधेयः — 1 × 3 = 3
- (क) पाठयोजनया कोऽभिप्रायः ? पाठयोजनायाः विभिन्नानां प्रकाराणां विवेचनं कुरुत।
- (ख) पाठप्रस्तावना कौशलस्य व्याख्या कार्या।
4. अधोलिखितयोः प्रश्नयोः **एकः** प्रश्नः समाधेयः — 1 × 3 = 3
- (क) प्राचीनमूल्यांकनविधीनां वर्णनं कुर्वन् तेषां गुणदोषान् लिखत।
- (ख) आदर्शप्रश्न-पत्रस्य विभिन्नानां सोपानानां वर्णनं कुरुत।
5. अधोलिखितयोः प्रश्नयोः **एकः** प्रश्नः समाधेयः — 1 × 5 = 5
- (क) क्रियान्वयित्वं कारकत्वम् इत्यस्य वचनस्य व्याख्यां कुर्वन् षट्कारकाणां सोदाहरणं परिचयं लिखत।
- (ख) समासस्य परिचयं लिखत् विभिन्नानां समासानां सोदाहरणं व्याख्या कार्या।

भाग - 'ख'

6. अधोलिखितानां वस्तुनिष्ठप्रश्नानाम् उत्तराणि देयानि —

15 × 1 = 15

(क) संस्कृतायोगस्य अध्यक्षः आसीत्: —

- (i) प्रो० विश्वबन्धुशास्त्री
- (ii) डॉ० राधाकृष्णनः
- (iii) डॉ० सुनीतिकुमार चटर्जी
- (iv) प्रो० आर० एन० दाण्डेकरः

(ख) 'वाक्यं रसात्मकं काव्यं' इतीयं परिभाषा काव्यस्य केन प्रदत्ता: ?

- (i) मम्मटेन
- (ii) विश्वनाथेन
- (iii) भामहेन
- (iv) कालिदासेन

(ग) छन्दोविहीनं भवति —

- (i) नाटकम्
- (ii) चम्पूकाव्यम्
- (iii) गद्यम्
- (iv) पद्यम्

(घ) 'योगस्थः कुरु कर्माणि' पद्यांशोऽयं कुतः संकलितः ?

(i) रामायणतः

(ii) दूतवाक्यात्

(iii) कादम्बरीतः

(iv) गीतायाः

(ङ) अन्यपदप्रधानोऽस्ति —

(i) बहुव्रीहिः समासः

(ii) अव्ययीभाव समासः

(iii) तत्पुरुष समासः

(iv) द्वन्द्वसमासः

(च) अधोलिखितेषु ग्रन्थेषु महर्षेः पाणिनेः ग्रन्थोऽस्ति —

(i) सिद्धान्तकौमुदी

(ii) महाभाष्यम्

(iii) काव्यप्रकाशः

(iv) अष्टाध्यायी

(छ) “मुखम् स्मृतम्” ? (रिक्तस्थानं पूरयत)।

(i) निरुक्तम्

(ii) शिक्षा

(iii) व्याकरणम्

(iv) कोऽपि न

(ज) कारकत्वम्। (रिक्तस्थानां पूरयत)।

(i) समसनम्

(ii) क्रियान्वयित्वम्

(iii) कर्तृवाच्यम्

(iv) कर्मवाच्यम्

(झ) व्याकरणशिक्षणस्य श्रेष्ठविधिः अस्ति —

(i) आगमनविधिः

(ii) प्रयोगविधिः

(iii) सहयोगविधिः

(iv) सूत्रविधिः

- (अ) शैक्षिकमूल्यांकन विधौ **नास्ति** —
- (i) मौखिक परीक्षा
 - (ii) शास्त्रार्थः
 - (iii) वस्तुगत परीक्षा
 - (iv) प्रबन्धात्मक परीक्षा
- (ट) प्राचीनमूल्यांकनविधौ मौखिकपरीक्षा आसीत् —
- (i) भाषणम्
 - (ii) शलाकापरीक्षा
 - (iii) शास्त्रार्थः
 - (iv) सर्वाः
- (ठ) भाषामूल्यांकनविधौ अस्ति/सन्ति —
- (i) रुब्रिकः
 - (ii) ऐनक्डोटलरिकार्ड
 - (iii) रेटिंगमापकम्
 - (iv) सर्वे
- (ड) आदर्शप्रश्नपत्रस्य गुणेषु अस्ति/सन्ति —
- (i) सम्पूर्णपाठ्यक्रमः
 - (ii) व्यावहारिकता
 - (iii) रोचकता
 - (iv) सर्वे

(ढ) अन्वेषणपूर्णप्रश्नकौशलस्य घटकः अस्ति/सन्ति —

- (i) अनुबोधनम्
- (ii) पुनःनिर्देशनम्
- (iii) विस्तृतसूचनाप्राप्ति
- (iv) सर्वे

(ण) पाठयोजना अस्ति/सन्ति —

- (i) एका
 - (ii) तिस्रः
 - (iii) द्वे
 - (iv) चतस्र
-

Code No. 5761

Roll No.

SET : C

D. El. Ed. 2nd Year Exam., Feb./March – 2023

Pedagogy of Sanskrit Language

संस्कृत भाषा का शिक्षाशास्त्र

(Course Code : DE-211)

(Only for Re-appear Candidates)

[Evening Session]

Time : 2 Hours]

[Max. Marks : 35

समय : 2 घण्टे]

[अधिकतम अंक : 35

सामान्य निर्देश :—

- (i) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 7 तथा प्रश्न 6 हैं।
- (ii) प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिये गये कोड नम्बर तथा सेट को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख्य-पृष्ठ पर लिखें।
- (iii) कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
- (iv) उत्तर-पुस्तिका के बीच में खाली पन्ना/पन्ने न छोड़ें।
- (v) उत्तर-पुस्तिका के अतिरिक्त कोई अन्य शीट नहीं मिलेगी। अतः आवश्यकतानुसार ही लिखें और लिखा उत्तर न काटें।
- (vi) परीक्षार्थी अपना रोल नं० प्रश्न-पत्र पर अवश्य लिखें। रोल नं० के अतिरिक्त प्रश्न-पत्र पर अन्य कुछ भी न लिखें और वैकल्पिक प्रश्नों के उत्तरों पर किसी प्रकार का निशान न लगाएँ।
- (vii) कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व सुनिश्चित कर लें कि प्रश्न-पत्र पूर्ण व सही है, परीक्षा के उपरान्त इस सम्बन्ध में कोई दावा स्वीकार नहीं किया जायेगा।

निर्देशाः —

- (क) सर्वे प्रश्नाः अनिवार्याः सन्ति।
- (ख) लेखः सुस्पष्टः सुवाच्यश्च भवेत्।
- (ग) प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतभाषायाम् देयानि।
- (घ) प्रश्नसंख्या प्रश्नपत्रानुसारम् अवश्यमेव लेखनीया।

5761/(Set : C)

P. T. O.

भाग - 'क'

1. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु **द्वयोः** प्रश्नयोः व्याख्या कार्या — 2 × 3 = 6
- (क) संस्कृतायोगेन संस्कृतविषये काः काः संस्तुतयः कृताः ? वर्णनं कुरुत।
- (ख) गद्यशिक्षणस्य विभिन्नानां विधीनां विवेचनं कुरुत।
- (ग) पद्यशिक्षणेन कोऽभिप्रायः ? विभिन्नानां विधीनां विवेचनं कुरुत।
2. अधोलिखितयोः प्रश्नयोः **एकः** प्रश्नः समाधेयः — 1 × 3 = 3
- (क) अलंकारेण कोऽभिप्रायः ? विभिन्नानाम् अलंकाराणां सोदाहरणं व्याख्या कार्या।
- (ख) संस्कृतव्याकरणपरम्परायाः उल्लेखं कुर्वन् तस्य महत्त्वं प्रतिपादयत।
3. अधोलिखितयोः प्रश्नयोः **एकः** प्रश्नः समाधेयः — 1 × 3 = 3
- (क) पाठयोजनायाः विभिन्नानां प्रकाराणां वर्णनं कुरुत।
- (ख) सूक्ष्मशिक्षणेन कोऽभिप्रायः ? सोदाहरणं वर्णयत।
4. अधोलिखितयोः प्रश्नयोः **एकः** प्रश्नः समाधेयः — 1 × 3 = 3
- (क) प्राचीनमूल्यांकनविधीनां वर्णनं कुर्वन् तेषां गुणदोषान् वर्णयत।
- (ख) भाषामूल्यांकनस्य विभिन्नानां विधीनां वर्णनं कुरुत।
5. अधोलिखितयोः प्रश्नयोः **एकः** प्रश्नः समाधेयः — 1 × 5 = 5
- (क) कारकेण कोऽभिप्रायः ? समेषां कारकाणां सोदाहरणं वर्णनं कुरुत।
- (ख) किं संस्कृतव्याकरणं संस्कृतस्य प्रचाराय प्रसाराय च आवश्यकम् ? एकां पाठयोजनामपि सज्जीकुरुत।

भाग - 'ख'

6. अधोलिखितानां वस्तुनिष्ठप्रश्नानाम् उत्तराणि देयानि —

15 × 1 = 15

(क) “तददोषौ शब्दार्थौ सगुणावनलंकृती पुनः क्वापि” कस्य कवेः काव्यलक्षणमिदम् ?

- (i) मम्मटस्य
- (ii) भासस्य
- (iii) विश्वनाथस्य
- (iv) कालिदासस्य

(ख) ‘नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि, नैनं दहति पावकः’ श्लोकांशोऽयं कुतः संकलितः ?

- (i) गीतातः
- (ii) कादम्बरीतः
- (iii) उत्तररामचरिततः
- (iv) रामायणतः

(ग) अभिज्ञानशाकुन्तलम् अस्ति —

- (i) नाटकम्
- (ii) महाकाव्यम्
- (iii) चम्पूकाव्यम्
- (iv) गद्यकाव्यम्

(घ) उभयपदप्रधानोऽस्ति —

(i) अव्ययीभावसमासः

(ii) तत्पुरुषसमासः

(iii) द्वन्द्वसमासः

(iv) बहुव्रीहिसमासः

(ङ) धातोः पूर्वं भवति —

(i) प्रत्ययः

(ii) उपसर्गः

(iii) आदेशः

(iv) आगमः

(च) 'अष्टाध्यायी' ग्रन्थस्य रचयितास्ति —

(i) पाणिनिः

(ii) भट्टोजिदीक्षितः

(iii) यास्काचार्यः

(iv) वरदराजः

(छ) '..... व्याकरणं स्मृतम्'। (रिक्तस्थानं पूरयत)।

(i) मुखम्

(ii) कर्णः

(iii) पादः

(iv) हस्तः

(ज) 'आगमनविधिः' सम्बद्धोऽस्ति —

(i) व्याकरणशिक्षणात्

(ii) गद्यशिक्षणात्

(iii) पद्यशिक्षणात्

(iv) कस्मादपि न

(झ) क्रियान्वयित्वं ? (रिक्तस्थानं पूरयत)।

(i) समासः

(ii) कारकत्वम्

(iii) अलंकारः

(iv) छन्दः

(अ) प्राचीनमूल्यांकनविधौ मौखिकपरीक्षा आसीत् —

- (i) भाषणम्
- (ii) शास्त्रार्थः
- (iii) शलाकापरीक्षा
- (iv) सर्वाः

(ट) भाषामूल्यांकनविधौ अस्ति/सन्ति —

- (i) ऐनक्डोटलरिकार्ड
- (ii) रेटिंगमापकम्
- (iii) रुब्रिकः
- (iv) सर्वे

(ठ) शैक्षिकमूल्यांकनविधौ सम्मिलितः अस्ति/सन्ति —

- (i) प्रबन्धात्मक परीक्षा
- (ii) वस्तुगत परीक्षा
- (iii) मौखिक परीक्षा
- (iv) सर्वे

(ड) आदर्शप्रश्नपत्रस्य गुणेषु अस्ति/सन्ति —

- (i) सम्पूर्णपाठ्यक्रमः
- (ii) रोचकता
- (iii) व्यावहारिकता
- (iv) सर्वे

(ढ) पाठयोजनायाः प्रकारः अस्ति/सन्ति —

(i) एकः

(ii) द्वौ

(iii) त्रयः

(iv) चत्वारः

(ण) अन्वेषणपूर्णप्रश्नकौशलस्य घटकः अस्ति/सन्ति —

(i) अनुबोधनम्

(ii) विस्तृतसूचना प्राप्ति

(iii) पुनःनिर्देशनम्

(iv) सर्वे

Code No. 5761

Roll No.

SET : D

D. El. Ed. 2nd Year Exam., Feb./March – 2023

Pedagogy of Sanskrit Language

संस्कृत भाषा का शिक्षाशास्त्र

(Course Code : DE-211)

(Only for Re-appear Candidates)

[Evening Session]

Time : 2 Hours]

[Max. Marks : 35

समय : 2 घण्टे]

[अधिकतम अंक : 35

सामान्य निर्देश :

- (i) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 7 तथा प्रश्न 6 हैं।
- (ii) प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिये गये कोड नम्बर तथा सेट को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख्य-पृष्ठ पर लिखें।
- (iii) कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
- (iv) उत्तर-पुस्तिका के बीच में खाली पन्ना/पन्ने न छोड़ें।
- (v) उत्तर-पुस्तिका के अतिरिक्त कोई अन्य शीट नहीं मिलेगी। अतः आवश्यकतानुसार ही लिखें और लिखा उत्तर न काटें।
- (vi) परीक्षार्थी अपना रोल नं० प्रश्न-पत्र पर अवश्य लिखें। रोल नं० के अतिरिक्त प्रश्न-पत्र पर अन्य कुछ भी न लिखें और वैकल्पिक प्रश्नों के उत्तरों पर किसी प्रकार का निशान न लगाएँ।
- (vii) कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व सुनिश्चित कर लें कि प्रश्न-पत्र पूर्ण व सही है, परीक्षा के उपरान्त इस सम्बन्ध में कोई दावा स्वीकार नहीं किया जायेगा।

निर्देशाः —

- (क) सर्वे प्रश्नाः अनिवार्याः सन्ति।
- (ख) लेखः सुस्पष्टः सुवाच्यश्च भवेत्।
- (ग) प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतभाषायाम् देयानि।
- (घ) प्रश्नसंख्या प्रश्नपत्रानुसारम् अवश्यमेव लेखनीया।

5761/(Set : D)

P. T. O.

भाग - 'क'

1. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु **द्वयोः** प्रश्नयोः व्याख्या कार्या — 2 × 3 = 6
- (क) पद्यशिक्षणस्य विभिन्नानां सोपानानां वर्णनं कुरुत।
- (ख) विभिन्नशिक्षायोगेषु संस्कृतपठनपाठनविषये कृतां चर्चाम् उद्दिश्य टिप्पणीं कुरुत।
- (ग) संस्कृतगद्यरचनायाः महत्त्वं गद्यशिक्षणस्य च उद्देश्यं निर्धारयत।
2. अधोलिखितयोः प्रश्नयोः **एकः** प्रश्नः समाधेयः — 1 × 3 = 3
- (क) अलंकारस्य परिभाषां लिखन् विभिन्नानाम् अलंकाराणां सोदाहरणं व्याख्या कुरुत।
- (ख) समासस्य परिभाषां लिखन् अव्ययीभाव समासस्य व्याख्यां कुरुत।
3. अधोलिखितयोः प्रश्नयोः **एकः** प्रश्नः समाधेयः — 1 × 3 = 3
- (क) पाठयोजनायाः व्याख्यां कुर्वन् अस्याः विभिन्नानां प्रकाराणां विवेचनं कुरुत।
- (ख) पाठप्रस्तावनाकौशलस्य व्याख्या कार्या।
4. अधोलिखितयोः प्रश्नयोः **एकः** प्रश्नः समाधेयः — 1 × 3 = 3
- (क) प्राचीनमूल्यांकनविधीनां वर्णनं कुर्वन् तेषां गुणदोषान् उद्घाटयत।
- (ख) आदर्शप्रश्नपत्रस्य विभिन्नानां सोपानानां वर्णनं कुरुत।
5. अधोलिखितयोः प्रश्नयोः **एकः** प्रश्नः समाधेयः — 1 × 5 = 5
- (क) कारकस्य परिभाषां लिखन् विभिन्नानां कारकाणां सोदाहरणं व्याख्या कार्या।
- (ख) संस्कृतव्याकरणशिक्षणस्य महत्त्वं प्रतिपादयत।

भाग - 'ख'

6. अधोलिखितानां वस्तुनिष्ठप्रश्नानाम् उत्तराणि देयानि —

15 × 1 = 15

(क) डॉ० सुनीतिकुमार चटर्जी कस्य आयोगस्य अध्यक्षः आसीत् ?

- (i) प्रथमशिक्षायोगस्य
- (ii) संस्कृतायोगस्य
- (iii) राजभाषायोगस्य
- (iv) कस्यापि न

(ख) 'वाक्यं रसात्मकं काव्यं' परिभाषेयं केन प्रदत्ता ?

- (i) विश्वनाथेन
- (ii) भवभूतिना
- (iii) मम्मटेन
- (iv) केनापि न

(ग) छन्दोविहीनं भवति —

- (i) गद्यम्
- (ii) नाटकम्
- (iii) चम्पूकाव्यम्
- (iv) पद्यम्

(घ) 'जातस्य हि ध्रुवो मृत्युर्ध्रुवं जन्म मृतस्य च' पद्यांशोऽयं कुतः संकलितः ?

(i) कादम्बरीतः

(ii) महावीरचरितात्

(iii) गीतातः

(iv) रामायणात्

(ङ) पूर्वपदप्रधानः कः समासः ?

(i) द्वन्द्वसमासः

(ii) बहुव्रीहिसमासः

(iii) कर्मधारयसमासः

(iv) अव्ययीभावसमासः

(च) महर्षेः पाणिनेः ग्रन्थोऽस्ति —

(i) काव्यप्रकाशः

(ii) साहित्यदर्पणम्

(iii) महाभाष्यम्

(iv) अष्टाध्यायी

(छ) 'मुखम् व्याकरणं स्मृतम्' वाक्येऽस्मिन् व्याकरणं कस्य मुखं स्मृतम् ?

- (i) नाटकस्य
- (ii) चम्पूकाव्यस्य
- (iii) वेदस्य
- (iv) कस्यापि न

(ज) अधोलिखितेषु कः कारकः नास्ति ?

- (i) सम्बन्धः
- (ii) अधिकरणम्
- (iii) करणम्
- (iv) सम्प्रदानम्

(झ) व्याकरणशिक्षणस्य श्रेष्ठविधिः अस्ति —

- (i) प्रयोगविधिः
- (ii) सूत्रविधिः
- (iii) आगमनविधिः
- (iv) सहयोगविधिः

(अ) शैक्षिकमूल्यांकनविधौ नास्ति —

- (i) वस्तुगतपरीक्षा
- (ii) प्रबन्धात्मकपरीक्षा
- (iii) शास्त्रार्थः
- (iv) मौखिकपरीक्षा

(ट) प्राचीनमूल्यांकनविधौ मौखिकपरीक्षा आसीत् —

- (i) भाषणम्
- (ii) शलाकापरीक्षा
- (iii) शास्त्रार्थः
- (iv) सर्वाः

(ठ) भाषामूल्यांकनविधौ अस्ति —

- (i) रुब्रिकः
- (ii) ऐनक्डोटलरिकार्ड
- (iii) रेटिंगमापकम्
- (iv) सर्वे

(ड) पाठयोजना अस्ति —

- (i) एका
- (ii) तिस्रः
- (iii) चतस्रः
- (iv) द्वे

(ढ) आदर्शप्रश्नपत्रस्य गुणेषु अस्ति —

(i) सम्पूर्णपाठ्यक्रमः

(ii) व्यावहारिकता

(iii) रोचकता

(iv) सर्वे

(ण) अन्वेषणपूर्णप्रश्नकौशलस्य घटकः अस्ति/सन्ति —

(i) अनुबोधनम्

(ii) विस्तृतसूचनाप्राप्ति

(iii) पुनःनिर्देशनम्

(iv) सर्वे
